जन संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ
उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, पैक्ट
वाल्मी भवन, सिंचाई विभाग,
उत्तर प्रदेश

कृत्रिम वर्षा बुन्देलखण्ड एवं विंध्य क्षेत्रों में करायी जायेगी
–धर्मपाल सिंह

लखनऊ : 17 जुलाई, 2018

उ0प्र0 के सिंचाई मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि देश में पहली बार उ0प्र0 के बुन्देलखण्ड एवं विंध्य क्षेत्र में कृत्रिम वर्षा कराने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि देश में पहली बार होने जा रही कृत्रिम बारिस पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित है तथा यह अन्य देशों की अपेक्षा काफी सस्ती है। श्री सिंह ने बताया कि अभी तक अमेरिका, इजराइल, चीन, दक्षिण अफ्रीका के आसपास के क्षेत्रों एवं कुछ अरब के देशों में भी कृत्रिम बारिस करायी जाती रही है, लेकिन वहां की तकनीक काफी मंहगी है। उन्होंने बताया कि आई.आई.टी. कानपुर द्वारा तैयार तकनीक न सिर्फ भौगोलिक एवं जरूरतों के अनुकूल है तथा काफी सस्ती भी है।

श्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि विगत दिनों आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञों ने हमारे सामने कृत्रिम बारिस का प्रस्तुतीकरण किया था। अब इसको अन्तिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंजूरी का इंतजार किया जा रहा है। श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हम यह अभिनव प्रयोग करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बदलती हुई परिस्थित एवं मौसम में आने वाले परिवर्तन के कारण यह अतयन्त आवश्यक हो गया है। श्री सिंह ने कहा कि प्रयोग सफल रहने पर प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भी जरूरत पड़ने पर इसे अपनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के लिए सर्तक है तथा उनके हित के लिए जो भी आवश्यक होगा सरकार हर–सम्भव उपाय करेगी।

सम्पर्क सूत्रः मीडिया विषेशज्ञ, पैक्ट मो0–9412205971
email-isbr27@gmail.com फैक्स 0522–2237664